UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Indian Economy · GS - III

भारत में वित्तीय समावेशन और
दीर्घकालीन घरेलू बचत को
बढ़ावा देने में छोटी बचत
योजनाओं तथा म्यूचुअल फंड की
भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
इनके प्रमुख लाभों और जोखिमों
पर चर्चा कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 20/10/2026

PAPER

GS - III

SUBJECT

Indian Economy

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint
वित्तीय समावेशन , घरेलू बचत, सुकन्या समृद्धि योजना , PPF, SIP,
चक्रवृद्धि प्रतिफल , बाजार जोखिम , वित्तीय साक्षरता , निवेश
विविधीकरण , कर संबंधी प्रावधान , जोखिम क्षमता और दीर्घकालीन
वित्तीय योजना।

Model Answer
परिचय
घरेलू बचत को उत्पादक निवेश में बदलना आर्थिक विकास और परिवारों की
वित्तीय सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है। छोटी बचत योजनाएँ और
म्यूचुअल फंड इस दिशा में अलग -अलग विकल्प प्रदान करते हैं।
प्रमुख भूमिका

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

छोटी बचत योजनाएँ : सुकन्या समृद्धि
योजना बालिकाओं के भविष्य के लिए बचत को
प्रोत्साहित करती है, जबकि PPF
दीर्घकालीन बचत का विकल्प है।
म्यूचुअल फंड और SIP: नियमित निवेश से
अनुशासित बचत विकसित होती है और
इक्विटी फंड के माध्यम से दीर्घकालीन
पूँजी वृद्धि की संभावना बनती है।
चक्रवृद्धि का लाभ: लंबी अवधि तक निवेश
बनाए रखने से अर्जित प्रतिफल पर भी
प्रतिफल मिल सकता है।

लाभ एवं जोखिम

छोटी बचत योजनाओं में निर्धारित नियमों के
अनुसार ब्याज और अपेक्षाकृत अधिक
पूर्वानुमेय प्रतिफल मिलता है। इसके
विपरीत , म्यूचुअल फंड बाजार जोखिम के अधीन
हैं। ब्याज दर, मुद्रास्फीति , कर और निवेश
अवधि वास्तविक लाभ को प्रभावित करते हैं।

आगे की राह

वित्तीय साक्षरता बढ़ाई जाए तथा निवेशकों
को लक्ष्य , समयावधि और जोखिम क्षमता के
अनुसार निवेश विविधीकरण के लिए
प्रोत्साहित किया जाए।

निष्कर्ष

संतुलित वित्तीय योजना , नियमित बचत और
जोखिम की समझ परिवारों की दीर्घकालीन
वित्तीय स्थिरता को मजबूत कर सकती है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias